Hindustan (17/10/2019)

मिट्टी के दीये व बर्तन कुटीर उद्योग में होंगे शामिल

पटना | वरीय संवाददाता

मिट्टी का दीया और अन्य बर्तन बनाने की कला को कुटीर उद्योग में शामिल किया जाएगा। इस उद्योग से जुड़े लोगों को उद्योग के नियमों के तहत सरकारी मदद दी जाएगी। यह घोषणा पटना के डीएम कुमार रवि ने बुधवार को पटना जंक्शन पर की।

उन्होंने वहां मिट्टी के दीये और कुल्हड़ को प्रोत्साहित करने के लिए रेलवे द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद ये बातें कहीं। कार्यक्रम में उन्होंने स्वयं चाक से मिट्टी का दीया और चुकिया भी बनायी। डीएम ने दानापुर मंडल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से लोग दीपावली में मिट्टी के दीये को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। दीया बनाने में डीएम की मदद करने वाले नापुर दियारा निवासी राजदेव पंडित से बात कर उन्होंने इस उद्योग की समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर दानापुर मंडल के सीनियर डीसीएम आधार राज आदि मौजूद थे। रेल यात्रियों के मध्य प्लास्टिक का इस्तेमाल रोकने और मिट्टी के दीये को अपनाने के उद्देश्य से रेलवे द्वारा आयोजन किया जा रहा है। इसमें जंक्शन पर कुम्हार का चाक लगा है, जिसमें यात्री भी दीया बना सकते हैं।

Hindustan (17/10/2019)

वैशाली की बरैला झील पर डॉक्यूमेंट्री बनाने का काम शुरू

बदलेगी तस्वीर

हाजीपुर | मुख्य संवाददाता

वैशाली जिले में जंदाहा व पातेपुर प्रखंड के 36 वर्ग किमी में फैली बरैला झील पर डॉक्यूमेंट्री बनाने काम बुधवार से शुरू हो गया। लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव केके पाठक के निर्देश पर डॉक्यूमेंट्री बनाने वाली टीम ड्रोन कैमरों के साथ झील में पहुंची और फिल्म बनाने का काम शुरू किया। विभाग के कार्यपालक अभियंता संत कुमार सिंह की अगुवाई में पटना से आए ब्रजमोहन कुमार फिल्म बना रहे हैं। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि 11 करोड़ रुपए से झील के कायाकल्प की योजना बनी है।

- बरैला झील के सूखने के बाद इसकी खुदाई का काम होगा शुरू
- पहले दिन 25 से 30 मिनट की शूटिंग के बाद पटना लौटी टीम

बुधवार को जंदाहा स्थित बरैला झील पर ड्रोन कैमरे की मदद से डॉक्यूमेंट्री बनाती लघु जल संसाधन विभाग की टीम।

36

वर्ग किमी में फैली बरैला झील पर पटना से आयी टीम बना रही डॉक्यूमेंट्री

पांच टोलियों में 300 के करीब प्रवासी पक्षियों की पहली खेप पहुंची

बरैला झील व पक्षियों पर लगातार नजर रखने वाले पंकज कुमार चौधरी ने बताया कि पांच टोलियों में 300 के करीब प्रवासी पक्षियों की पहली खेप झील बरैला पक्षी बिहार में पहुंच चुकी है। प्रवासी पक्षियों की 3 प्रजातियां मल्हा, डुम्मर, दिघौंच की पांच टोलियों में करीब 300 के करीब यह मेहमान पक्षी झील में चहुं ओर उड़ते हुए वायु एवं जल विहार कर रोमांचित हो रहे हैं। मालूम हो कि यह मेहमान पक्षियों भी साफ पानी में ही उतरना पसंद करते हैं। नवंबर तक दर्जनों प्रजातियों के हजारों प्रवासी पक्षियों के आगमन की संभावना है जो मार्च-अप्रैल में वतन वापसी करती है। वन विभाग एवं भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून को स्थिति से अवगत करा दिया गया है।

जनकपुर जाते समय भगवान राम यहां आए थे

सलीम अली जुब्बा सहनी पक्षी आश्रयणी के नाम से मशहूर झील बरैला पर डॉक्यूमेंट्री बनाने के संबंध में अभियंता संतकुमार सिंह ने बताया कि बताया कि झील बरैला स्टेट वन पक्षी अभ्यरण तो है ही आज से दस से पंद्रह वर्ष पहले तक यहां लाखों की संख्या में मेहमान पक्षी आते थे, मार्च महीने तक रुकने के बाद दूसरे देशों के लिए उड़ते थे, लेकिन वर्ष 2011 से धीरे-धीरे पानी कम होने लगा। इससे इलाके में जलस्तर खिसक गया। ऐतिहासिक पहलू पर उन्होंने बताया कि उन्हें बरैला के स्थानीय नाविक ने बुजुर्गों से सुनी कहानी सुनाई है। किंवदंती (लोक कथाओं) के अनुसार भगवान श्रीराम वर के रूप में अयोध्या से जनकपुर जाने के दौरान इस स्थल पर आए थे। वे जब जनकपुर पहुंचे तो स्थानीय लोगों ने एक दूसरे को दिखाते हुए कहा था कि (वर अएला)। बाद में यह नाम धीरे-धीरे बरैला के रूप में चर्चित हो गया। इसके अलावा वर्ष 2010 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी अपने तीन दिवसीय वैशाली प्रवास के दौरान बरैला झील में नौका विहार किया था।

Hindustan (17/10/2019)

डीआरएम ने कहा, अगले साल मार्च तक ट्रेनों की रफ्तार बढ़ा दी जाएगी

समस्तीपुर खंड पर 100 की स्पीड से दौड़ेंगी ट्रेनें

- स्पीड बढ़ने के बाद ट्रेन कम समय में पहुंचेगी
- सहरसा से मानसी के बीच सौ किमी प्रति घंटे दौड़ेगी ट्रेन

अच्छी खबर 1

सहरसा | निज प्रतिनिधि

समस्तीपुर मंडल के सभी रेलखंडों पर अगले साल के मार्च महीने तक 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड से ट्रेनें चलने लगेगी। ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने से अभी से कम समय में यात्री गंतव्य स्टेशन को पहुंचेंगे।

समस्तीपुर मंडल के डीआरएम अशोक माहेश्वरी ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में समस्तीपुर मंडल के सभी रेलखंडों पर ट्रेन की स्पीड बढाकर 100 कर दी जाएगी। मार्च 2020 तक ट्रेन की स्पीड बढ़ाकर सौ किए जाने के बाद 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनें चलाने के लिए ब्लास्ट (गिट्टी) गिराने और मशीन से पैकिंग कराने का काम किया जाएगा।

सूत्रों की मानें तो अभी समस्तीपुर मंडल में 1100 से अधिक रूट किलोमीटर पर ट्रेनें चलती है। जिसमें मंडल के सहरसा-मानसी रूट पर 80 तो अन्य रूट पर 50 से 100 तक की स्पीड से ट्रेनें चलती है। सभी रूट पर सौ की रफ्तार से ट्रेनें चलाने पर एकसमान परिचालन व्यवस्था बहाल हो जाएगी। ईसीआर के प्रिंसिपल चीफ इंजीनियर के. डी. रल्ह के साथ डीआरएम स्पीड ट्रायल निरीक्षण कर बुधवार को सहरसा वापस लौटे थे। सहरसा से मानसी के बीच ट्रेन की स्पीड बढ़कर 100 किमी प्रति घंटे होगी।

बुधवार को सहरसा स्टेशन का निरीक्षण करते डीआरएम अशोक माहेश्वरी व अन्य। ● हिन्दुस्तान

मंगुराहा में भी पर्यटक ले सकेंगे सफारी का मजा

नरकटियागंज (पू.च.)। वीटीआर के मंगुराहा रेंज में बुधवार को जंगल सफारी की शुरुआत की गयी। रेंजर सुनील ने बताया कि जंगल सफारी शुरू हो जाने के बाद इस वन क्षेत्र में भी पर्यटक 4 जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकेंगे। वे प्राकृतिक छटा का आनंद उठाते हुए सोफा,ललभितिया सहित अनेक स्थलों का नजारा भी ले सकेंगे। पहले दिन ही कई पर्यटकों ने जंगल सफारी का लुत्फ भी उठाया।

समस्तीपुर से सहरसा के बीच चलेगी मेमू ट्रेन

समस्तीपुर । समस्तीपुर-खगड़िया रेलखंड पर इलेक्ट्रिक लाइन बनने के 2 बाद अब सभी डेमू सवारी गाड़ी को मेमू ट्रेन में बदल दिया गया है। समस्तीपुर से सहरसा के बीच मेमू ट्रेन व सहरसा से पूर्णिया के बीच डेमू ट्रेन का परिचालन आज से किया जाएगा।

वीटीआर में बनेगा अजगर अधिवास क्षेत्र

बगहा। वाल्मीकि टाईगर रिजर्व प्रशासन अजगरों को संरक्षित करने के लिए प्रस्ताव बनाने की तैयारी में जुट गया है। इसके लिए वीटीआर में अजगर 3 अधिवास क्षेत्र बनेगा । रिहायशी इलाकों के शहरों, गांवों, सरेहों, हाट बाजारों में रेस्क्यू कर पकड़े जा रहे अजगरों को उस अधिवास क्षेत्र में संरक्षित किया जाएगा। इससे अजगर अधिवास क्षेत्र से वीटीआर में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटक भी आर्कषत होंगे। अगर इस प्रस्ताव पर हरी झंडी मिल गई तो अजगर अधिवास क्षेत्र बनेगा और उसमें अजगरों को लाकर रखा जाएगा। वीटीआर के आंकड़ों पर नजर डालें तो इन दिनों प्रत्येक माह एक से डेढ़ सौ अजगर रिहायशी इलाकों से रेस्क्यू पर जंगल क्षेत्रों में छोड़े जा रहे हैं।

रेल मंडल में ट्रेनों के इंजनों पर दिखेगा विज्ञापन

समस्तीपुर | हिन्दुस्तान संवाददाता

रेल मंडल के ट्रेनों के इंजनों पर अब विज्ञापन भी दिखेगा। रेलवे ने एनएफआर (नन फेयर रेवेन्यू) 5 के तहत ट्रेन के इंजनों पर विज्ञापन लगाने का निर्णय लिया है, ताकि इंजनों के खाली स्थानों पर निजी प्रचार-प्रसार कर उससे आय की जा सके। फिलहाल रेल मंडल के 114 डीजल इंजन पर विज्ञापन करने का निर्णय लिया गया है। इंजनों पर विज्ञापन प्रसारित करने के लिये शीघ्र ही कोटेशन भी आमंत्रित किया जायेगा।

इस के तहत सीनियर डीसीएम बिरेंद्र कुमार ने पत्र भी जारी कर दिया है। जारी पत्र के अनुसार 22 अक्टूबर को निविदा आमंत्रित की जायेगी। मिली जानकारी के अनुसार 23 मालगाड़ी के इंजन पर विज्ञापन प्रसारित करने की तैयारी की गयी है। इसके अलावे सवारी, मेल व एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन पर भी अलग-अलग सीरीज के इंजन हैं, जिसपर विज्ञापन किया जायेगा।

Prabhat Khabar (17/10/2019)

केंद्र से एमओयू होते ही पटना मेट्रो हो जायेगा ज्वाइंट वेंचर

पटना. पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को लेकर केंद्र व राज्य सरकार के बीच एमओयू का प्रस्ताव तैयार हो गया है. यह प्रस्ताव उच्च स्तर पर स्वीकृति के लिए भेजा गया है. केंद्र व राज्य सरकार के बीच एमओयू होते ही पटना मेट्रो भारत सरकार और राज्य सरकार का ज्वाइंट वेंचर हो जायेगा. राज्य सरकार द्वारा जल्द ही केंद्र के साथ एमओयू करने की तैयारी की जा रही है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एमओयू होने के बाद पटना मेट्रो में बड़ा बदलाव हो जायेगा. केंद्र के साथ अभी तक एमओयू नहीं होने से यह सिर्फ राज्य सरकार का कॉरपोरेशन रह गया है. एमओयू होने के बाद पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड(पीएमआरसीएल) के प्रशासनिक संरचना में बदलाव हो जायेगा. एमओयू होने के बाद पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन का चेयरमैन पद पर भारत सरकार के अधिकारी की तैनाती होगी है.